अध्याय-छः

रांगेय राघव की प्रिय कहानियों की महत्वपूर्ण विशेषताएँ।

// अध्याय - छ : //

-: रांगेय राघव की प्रिय कहानियों की महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ :-

डॉ. रांगेय राघवने अपने साहित्य में विविध विशेषताओं को समान्वित किया है। लघु - प्रबन्ध के इस अध्याय की दृष्टि से, मैंने उनकी प्रिय कहानियों की महत्त्वपूर्ण विशेषताओं को निम्नानुसार प्रस्तुत करने का प्रयास किया है।

१] कुत्ते की दुम और शैतान : नये टेकनीक्स :-

यह कहानी नये टेकनीक्स से ही लिखी ह गई है। इसमें चंचल और सुषमा को छोडकर अन्य पात्र प्रतिनिधीओं की कलम के रूप में बोलते है। उनके " अहं ", " स्वार्थ " आदि कारणों को लेखकने स्पष्ट किया है। इस चित्र को लेखकने ऐसा सजाया है कि उनके अपने चरित्र की विशेषता सामने आ जाती है।

इस कहानी की विशेषता यह भी है कि बाह्य कला और भीतरी भाव सजीव बन गया है। इसमें लेखक ने युग - युग के सत्य का दर्शन कराया है। कथानक, चरित्र - चित्रण और अन्य गुणों से यह कहानी पूर्ण है। क्योंकि वास्तव का सत्य और सत्य का वास्तव यही इसकी महत्त्वपूर्ण विशेषता बन गई है।

२] पंच परमेश्वर :-

यह विचारात्मक घटना - प्रधान यथार्थवादी कहानी है। इसमें वर्ग - विषमता के परिणामास्वरूप को विकसित करते हुए लेखकने सम्पूर्ण मानवता का दर्शन कराया है।

" पंच परमेश्वर " शीर्षक बडा ही सार्थक बन पडा है।

इसकी व्यंग्यात्मकता ही इसकी विशेषता है। कथोपकथन बडे पैने, नाठकिय और प्रभावशाली है। वे मनोश्लेषणात्मक रीति से पात्रों के चरित्र को प्रकाशित कर देते है। और साथ ही साथ कथानक को भी आगे बढाते हैं।

भाषा की दृष्टि से कहानी बहुत सफल है। भाषा में पात्रानुकूलता है। इस कहानी का उद्देश मानवीय संवेदना को जाग्रत करना है। इसी के लिए लेखक ने चौधरी पंच मुरली को रखा है, जो अपना पंच का अधिकार चलाता है। पंच परमेश्वर की यही मौलिक विशेषता है।

३] प्र वा सी :-

यह भारत के जीवन पर लिखी हुयी ऐतिहासीक कहानी है। यह प्रेमकथा है। इसकी पहली विशेषता यह है कि दक्षिण के सामाजिक जीवन का चित्रण । दूसरी एक विशेषता यह है कि उत्तर और दक्षिण के धार्मिक जीवन के सम्बन्ध इसमें प्रकट हुए है।

" प्रवासी " में मानव के भीतरी भावनाओं को स्पष्ट किया है। सामाजिक संघर्ष को जीवन्त रखने की कोशिश हुई है। घटना, प्रसंग शब्दों, कथानक, पात्र - चित्रण, संवाद आदि गुणों के कारण इसकी विशेषताएँ सम्पूर्ण कहानी को सहायक है। भाषा - शैली भी बडी ही विशेष है।

४] घिसटता कम्बल :-

इसमें निम्नमध्यवर्ग का चित्रण है। यह व्यंग्यत्मक है। इसमें प्रमुख पात्र विपिन और रागिणी है। दोनों मे सच्ची मैत्री के प्रेम की भावना है। इसमें विवशता का आंतक है। इसकी भाषा गम्भीर बन पडी है।

इस विशेषता के कारण कहानी प्रभावशाली है कि विपिन का ज्वर एक प्रतीक है और रागिनी उसकी साथिन है। इस कहानी से यह विशेषता स्पष्ट होती है कि जीवन कैसा भी हो, निभाहना ही पडता है। कहानी उपरोक्त विशेषताओं के कारण ही विविधांगी यशस्वी हुयी है।

५] गूंगे :-
========

इसमें गूंगे और बहरे लडके का चित्रण है। यह करुणा की भावना प्रधान कहानी है। विशेषयह कि गूंगा बोलने का प्रयत्न करता है, पर उसका गूंगापन उसकी भावनोओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त नहीं होने देता। इसमें दिल की तडपन है।

लेखक इस चित्रण द्वारा समाज के उस वर्ग की स्थिती बताना चाहते है, जिसकी दशा इस गूंगे लडके के समान है। इसप्रकार दलितों शोषितों एक का जो गूंगापन युग युग से चलता आ रहा है, उसके प्रति इस कहानी द्वारा लेखकने संवदेना जगाने का प्रयत्न किया है। यहाँ भाव पक्ष को विशेष स्थान दिया गया हैं।

भाषा मर्मस्पर्शी है। कला-पक्ष सुन्दर आकर्षक, सजीव, सार्थक है। शैली प्रवाहमयी है। अर्थात कहानी का कथानक अर्थ - बोधपूर्ण है।

६] धर्म - संकट :-
==========

इस कथानक में संघर्ष प्रभावशाली है। कथोपकथन पात्रानुकूल है। घटित- घटना चित्र सायास है। भाषा में आकर्षकता है। भाषा में बोलने का सुन्दर ढंग है। शैली में शब्दों की शक्ति है।

इसके पात्र नशे में अपने मामूली सुख के लिए संघर्ष करते हैं, और उनके बीच हैं - एक स्त्री लेखकने यहाँ सार्वकालिक चलनेवाली परिवार की मूलभूत समस्या को सामने रखा है।

स्थान, रहन - सहन , बोलचाल, विचार और प्रवृति आदिर महत्त्वपूर्ण विशेषताओं को यहाँ रेखांकित किया गया है। शीर्षक बडा ही अर्थपूर्ण है।

७] फूल का जीवन :-
==========

शीर्षक मार्मिक और योग्य है। इससे अन्य गुणों को मौलिकता मिल गई है। इसकी शैली तुलनात्मक है।

इस कहानी की मुख्य विशेषता फूल का जीवन द्वंद्व पेश करता है। कारण कि लेखकने अमीर और गरीबों का भेद दिखाया है, जो प्रस्तुत हुआ है। इससे कहानी का बाहय वातावरण संघर्षमय बन गया है।

इसमें एक और मजबूरी है, विषमता और अत्याचार है। दूसरी ओर स्वार्थी प्रवृती है। एकांगी संस्कृति की घुटन है। अन्त में कहानी दलित समस्याओं की उजागर करती है।

पात्र सेठ और नीना के चरित्र को सुन्दर ढंग से चितारा है। साथ ही साथ फूल का प्रतीक उस लडके की मृत्यु से एक नयी प्रतिकात्मक शक्ति देता है। सम्पूर्ण कहानी मे भाषा - शैली प्रभावशाली और आकर्षक है।

८] नई जिन्दगी के लिए :-
==========

इस कहानी की विशेषता यह है कि समाज लडके को ही महत्व देता है। जब लडकी का जन्म होता है तो स्त्री- पुरुष दोनों को भी कष्ट होता है। इस कहानी से विषमता स्पष्ट होती है, जो नई जिन्दगी के लिए चित्रित किया गया है। सामाजिक परतंत्रता का द्वंद्व है।

आर्थिक और सामाजिक पक्ष में बच्चीऔर बच्चे का भेद किया जाना, यह इसकी मौलिकविशेषता है। यहाँ लडकी का जन्म एक नई चेतना है। इसमें मन की अवहेलना करनेवाली तडपन है।

इसका वातावरण, पात्र - संवाद, घटना- प्रसंग, भाषा - शैली प्रभावशाली है। यहाँ परम्परानुसार लडकी के जन्म की समस्या एक विचारणीय विशेषता है।

९] गदल :-
==========

गदल हिन्दी - कथा साहित्य की अत्यन्त प्रसिध्द और प्रिय कहानी है। गदल राजस्थान के ग्राम- जीवन का चित्र है। इसमें गुजर जाति की अपनी अलग से रिति - रिवाज, रूढी तथा परम्परा है।

" गदल " शीर्षक बडा ही सार्थक बन पडा है। "गदल " में एक स्त्री का हृदय बोलता है। यह विचारात्मक घटना - प्रधान --यथार्थवादी कहानी है। विभाजन के परिणामस्वरूप जो भीषण हिंसात्मक घटनाएँ घटित हुई और गदल की मृत्यु हुअी, उसका सजीव चित्र अंकित हुआ हैं।

इस कहानी के कथोपकथन बडे नाटकीय और प्रभावशाली हैं। वे मनोविश्लेषणात्मक रिति से पात्रों के चरित्र को प्रकाशित कर देते हैं, और साथ ही साथ कथानक को भी आगे बढाते है।

भाषा की दृष्टि से कहानी अत्यन्त सफल है। भाषा में पात्रानुकुलता और प्रवाहमयता है। इस कहानी में हिंसा और मारकट का वातावरण बडी सफलता से अंकित हुआ है। गदल अपने परिवार के सुख, प्रतिष्ठा तथा सुरक्षा हेतु प्राण न्योछावर कर देती है।

इस घटना से कर्तव्य निष्ठा एवं उदारता की विशेषताएँ स्पष्ट होती है।

इस अध्याय में मैंने लघु - प्रबन्ध की मर्यादा का ध्यान में रखकर , ज्यादा से ज्यादा मौलिक विशेषताओं को प्रस्तुत करने की कोशिश की है।

****